



911/11/11/2

911/11/11/2

11/11/11

संनदि विराहो रसो मयि

92/35

साधन विराहो	
744	

ASHA ARCHIVES

१. अयनादिगहा, विद्यलि, गुं १०, स्मराग, स्वटननस्यया
य, वागेन मानस्या कया ॥ अश्वदा, कूट, तीमवाड, स्मरा
ग स्वटननस्ययाय, न क वागेन, यिकु न मानस्या कया ॥ मग
दुलकूकम, धनसकालाव, साखनव, दोलावनय, क्लाससथन
वाग यिकुन, मानस्या कया ॥ ॥ थग मानस्या कया ॥ ॥ खय

न, रुवउ, निम्ब, ॐ छिमिति, थग स्मरागयाद, नयाव, थान
सदुदनगुठि विन, लि वाखादुलखसंवालाडा, मिखासउ
न मिखास्या कयाउरुम ॥ ॥ ॐ छिमिति, थयन, रुवउ, न
नव, वासनवुगाया, थवास, दिवान, थग वावसदुदन, गुठि
विदग, लखसंवालाडा, मिखासथद, मिखास्या कया, वू

टिपूवयी मिरवास ककुवययीउरुम॥ ॥ नक वदन २ यना
सवीउरु हनउ स्यधूवामस* लेखनयुतिविद मिरवासथ
दन मिरवास्याकमी खाविदावयी यिवनहावेयी यायउ
रुम॥ थनमिरवास्याकया॥ ॥ ध्यद्युयागलि धायाकालसि
मसदासी डायानलूनखावकासी गीखमसकाधूयन

थखावसर्थथुयन थगीखनानडाडा थखावगीन वकन
षून थवकननहासी सदाद यनिहासीवा दद्याववृगा
कालेमदसवा दद्यालवृदयखडा॥ ॥ हनउि ॥ ॥ धि मि
डि हासि यलखान यीयंगु गुल्लोउ नक वदन थ
गसरागथकनषुद साइइकुद थवकननहासीवा

नसनायुव हयुवायु नामदय कंदव कूयावसंति ग्वं॥

अत्रिमानहल

नियहलयासादहलति कटुक मितकसि हवउ इडकन
समनठि उगीवहा निनाथुति ॐ छिमिति कव ३३

थग स्यातागयाद धवनद्यावस होस्य नावुव ननानंदडा
खे कूयावसंति ग्वं दालया अगिरिदना ॥ अम्वल वून रं ४
अम्वलगिनरुगे विम्यं दायक द्रुस पावता नैरावसयाया
यन अथेनिथगं कूय क छिदं २ धवदं २ यियलिकुठ २
साखवदं १ धगं अगुवावव रिग्व राधुस थं दान वुयुलि

एतन्नमो कर्मस्यै अथ निगलसधुभुवि लो गतिव दचि
गतिव अथ नि कायाव थ उ नस्य वै श वि न नू य व धु
रिन क निश्रि धिया य द्वा ॥ ०० वि मि ति वै न वा व न स्यै
पि यै ति वि रु ला सा ख न थ ग व न या द न आयु वा द न य
वृद्धि वृद्धि इव ऊ ला या धि मा के ॥ ॥ गाय न य अ

न

मेल यु उ गु थ ग व न या द ध ल क स्ति न वा ल न गा म्वा
यु द्दः र म माल के रायु र्म द य म द्वा ॥ ॥ नि म्ब व क न ज्ञा स
मर्थ द रायु र्म हा क यु न इ द्वा ध ल व तु न व न सा य न
वि धि ॥ ॥ गाय न य का य लि क स्था न य अ रि न हा थ ग व न या
द सा द्द स र्वा स्यै ल द ग न चि क्क मी व की उ या न सौ मि द ॥

काङ्किकवसवृद्धिः ॥ ॥ माह्वति मलिखान लखननस्यं पृष्ठं
सिमायककुनागनिग्ययख ॥ ॥ रुक्मिणि विहामल साद्वनन
स्यं स्वावसयोद वागिस रुक्मिण यवगनाग ॥ ॥ सहविडा
वया कूट पिप्यालि विष्वरोषर् अङ्गाङ्गीयाङ्गभादाव ॥
हिमध्रुव संश्रव ॥ अनागिसमरागानि सुक्मवृष्टिनिजा

लयगुगुवृष्टिं सविष्यायाद्य प्रत्यहं रुक्म यन्नन ॥ अकवि
गानिनागस रुक्मिणि धवाननः ॥ भयद्विद रिनिर्घाषी मर्क
काकिलनिग्ययग ॥ गङ्गाङ्गदगमकल लरुकल्यावकाङ्ग ॥
ह्वनउ वेहाकूट पिप्यालि गुंठि रुक्मिणि अङ्गभाउ ॥
हिमिडि स्यं ध्रुवगस्यरागवृष्टि नयाव धवनवातनसु

धं वल्लभ निनियच्छुगा ॥ स्वसयक सवसिनक ऊठ स्वा
खल वृत्रायुखं शुतिधवनकाव (थं) का किल मगलहाल
(थं) सवसिनक कल्याणकलहथा ॥ ॥ हामल काव का
व कायवस कयासनगद मार्जर्विबुव यानिर्विबुव थ
गर्वनाग ॥ ॥ कयागयामनि वूनयाद धवनसखस्यैल

द यानीगुलया ॥ ॥ सवनास्वाथवहा वूनयाद धवनवा
लथं द यानीगुलया ॥ ॥ गुरगमतिदा दुद ननस्यैल द भावा
दमद ॥ ॥ मसगलु कर्वा जिनि हक जिनि दि न डोद जि
न हल गुठि मवच सिपि यिपलामूल म्यच सुवाचु
वतचि नमसखान सतिखाल कं कना थगयुगिमस २

カカシ

2012 12 12

12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥



धाम वून याद नस्य स्वाहा नन को सास्य कवाह धाम वव
यममाल जा के विसूतु यतु धाम गंडा गलतु नायु निम्यय
खे ॥ ॥ विदस दव दा लू के व थ गंडा गुमं स र धामे स्वकूडा व
द थ डग गा तु स ख उ श ल स धि ना क दा ल वाग गा अ गि शि
व ॥ ॥ दव दा न स्व ल पा सा क दू र दिछु स्य नू नस्य गदू

सं या य कि मि ना ग ॥ ॥ सा हा झू न प म द न र ल ख उ लि
हा व ध धा य या हा स्व रु न न स्य प्रा ग स या य कि मि क द ल
ख ॥ ॥ हा म ल च का ध न रं का व क ल य न या द कि मि ना
स ॥ ॥ नू य क ग न कि वि स्ना न वा ल गु उ गु थ गे वा न थ
ना व वा न का द ग अ गि ना का ली वा स्या क ना ग वा द ध

इव ॥ ॥ सिंह खान या हा लीद ग्व कास्य अरुत ग्व काय न
स. कृष्ण ल कान या ल य स्या वा के न न न डी या रु दा द या क
॥ हा य के डि डी ख ॥ ॥ कृष्ण विहा के व रु न डि न स्या न य
न या द इ इ यो ग ल द डी या ना ग ॥ ॥ नु का हा म ल डि वि रु
क डि वि इ इ व न स्या ल य न या द यो ग न द ग्व या ॥ ॥ ॐ रु

लु रु स्या या म न हा म न डी ना य न स्या ल प न स्या न न द डी या
का य रु या हा नि म रु न डि व य न स्य रु न न स्या ल य न यो
ग ल यार्ति ग्व ॥ ॥ म र बा ल वि भ जा थ ग न या द मू य क ॥
य रु लि क म डी ल खो न रु ल या द ध न या रु न य धा न
व थ ग म रा ग मू य यो व न स्य वृ द ग्व न क ठ क वृ च

सुककुनंदनख ॥ ॥ गन्धक, मथ, वैष्णवात्, सिंधल, खडु लि, ग्व
० पल्लेखदा, वै, धागस्रराम, मू, योयावनस्रबुद, गेन, भाउ ककुद
लेख ॥ ॥ मादत्रडि, मलिखान, लेखननस्य, यायसिनीनककु
दलेख ॥ ॥ नका, विरुला, धीमारसि, अयामार्ज, स्रगअयना
जिग, कन अ, गुगयु, मनवि, हनडि, मित्रकसि, एकदु, ययुयु.

हेद, वै, वत्रसयाननस्य, कस्तिनवान, असद्वयकगव, झास
मथनगव, समस्रगुदनई, ग्व, हूग, यगनई, ग्व, अकिदीया
दाषदा, हूगा, साद, विषमदाल, धगवृनाग ॥ ॥ आयु, झा
सखाया, यागक, कधुगिनि, मित्रस, कूयाखान, मदनरुल
नमलाय, डोटामसि, रुटिखि, वै, खका, म, स, विषु, नि, साद, दनक.

ह्रियु मन्त्रव, धर्मे समरागयाद, धूययादन, नानादव, नाना कंगुह
ह्रमात्माद, विष्णुध्व, नाकस, दव, विष्णुआदि, वीसमस्तु दावनापीठ
नाम, ॥ ॥ ठिकटु, पाणक, कूकूम, चिपनामूल, जमसखाल, कस
गिपि, रुनठि, कूट, एका, यनका, वाव, ॐ उग्रव, मिताखात, खा
देखानयू, ठिहला, कसनला, कटुकव, निलाधुमि, ॐ विमि

विष्णुठियात, नकवन्दन, मन्त्रि, मन्त्रनाल, ह्रसि, साधति, म
सधति, वनसधति, रुसधति, धर्तयी, वाकाय, मुद्र, सियास
न, पिर्यंगु, यउयु, सिपि, देवदाल, धर्तडी, गुसमराग, ध
नर्षीषूढ, खन, कामसथन, क्रसयाय, कायवाडया, गिक
वायया, दवनकूदया, गरुदास, आदिर्य, समस्तु दावनया

हिं॥ वाटगनाय ॐ विमिडि कन ॐ याथाउवे गिदुन मन
० वे यनासवु हिद ॐ का कथगिनि मिवकिर्सि हन डि
वान कटक मनरु लख यवर्सि कयउव सिंकवु हा
कुसिसिपु दवदात वउस वनहुलसि ग सुवन व
टयालाउ साहा ॐ न निम मूम ॐ उउव गनीन ॐ

यनाडिगाहा दनि उगकहा बाल भस सा वानस रुसि
सन धनयां वाकायाडा धनवून अथनि थधलकायाडा
रहुसधेद वंसगलकुस्य मवस थुदग लडिगंडा न
लीतव अथनि थधनकायाव ननव क्रासस थनगंडा
गाका लहाययाद वादयां निकनाययां हनगद थन

बहु के लयीर

ख्या कुर्या थागया सिद्ध ॥ ॥ ॐ गिवलिग कुवयान विनवि
गार्या श्रीनागार्क न आगगग गग विद्या समाफः ॥ ॥ ॥
अकक लालामसग हंउ लिमसग अमवेन नू ता लालो १५ थगे वून या
द वा थय १५ थगे न ऊसकू गा कू रुय मिमादावे नावनि स्थ
य ॥ ॥ विगषय ल ना ला धूति अवा लिपू कु यान नि आदू गन

थगे समराग वृ लुयाद ला सी मिमाद द द वख ॥ ॥ खे यन ह
लउ निम्व ॐ वि मिठि थग समराग या द न या व वानस
इइ नगु ठि विन लि ला लंय स वा नाव मिखास डास मिखा
सा क या ड र्क म ॥ ॥ द व दा व स विमान थग व क न व न का
स म द या ड र्क मि इ श ॥ ॥ गुड गु ह न उ समराग या द डा व

द न नृग ह य वे यार्हि म् ॥ ॥ स थ ला य क र्ष २ सिं ध न क र्ष
व न छ ॥ वृ न सिं ध न हा क न दा वे वा क स्य य वा ल उ र्ध २ मा
ले वा वृ टि या उ रु म ॥ ॥ ॐ मि आ व धी ना ग ई न स मा य ॥ ॥
अ मि नि या हा ग र्थ ल य वा या स ग न के थ वृ न या य थि य नि
थि य ना मू ल म न व ले डं डि ग हा ल जा य य वि ॥ ॥ ग ना न

स म हा ग वृ न या दा डा क या स या ॐ ग ल स वा ग वृ न दू थ व
डा ॐ ग ल द ना डी सा ध न न ग या डा भा ह नि रु य जे गी र व दू
ले थ र्म ई न सि क ले थ ना स ग य सि क न रु डा न हि य वृ य रु न
गा सा ध न ना वा ॥ थ ग या डा दू न हि य अ ना मि की गु नि न मि
खा स ग य दू २ व न डि मि खा या ग रु द यि डा ॥ ॥ य द्म सिं ह न वा या